टैक्स बचाने की नहीं, देने की मानसिकता हुई विकसित

भोपाल, 6 फरवरी. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को एलएनसीटी ऑडिटोरियम में केंद्रीय बजट 2026-27 के प्रचार अभियान के तहत आयोजित महिला संवाद को संबोधित किया.

इस दौरान खण्डेलवाल ने कहा कि 2014 के बाद देश में टैक्स देने की मानसिकता का एक बड़ा बदलाव आया है और आज लोग टैक्स बचाने के बजाय इसे ईमानदारी से चुकता करना चाहते हैं, यह मोदी सरकार का एक महत्वपूर्ण योगदान है. प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और इस बजट में ऐतिहासिक प्रावधान किए गए हैं, जिनसे महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त होंगी. भारत की इकोनॉमी आने वाले समय में दुनिया में सबसे मजबूत और सबसे बेहतर होगी. यह बजट उस संकल्प को दर्शाता है, जिसमें न केवल महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित किया गया है, बल्कि समग्र रूप से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए कई दूरगामी कदम उठाए गए हैं. कार्यक्रम को प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे और पार्टी के जिलाध्यक्ष रविंद्र यति ने भी संबोधित किया. खण्डेलवाल ने कहा कि जब

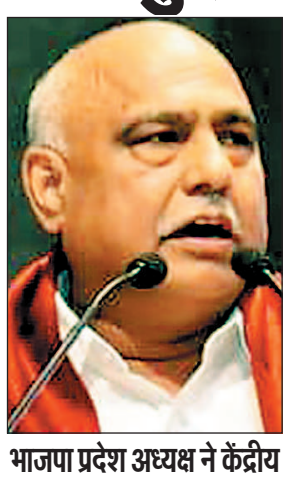

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्रीय बजट को लेकर किया संवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश की कमान संभाली, तब भारत 11वें नंबर की इकोनॉमी था. बेरोजगारी और इन्फ्रास्ट्रक्चर के मामले में देश काफी पिछड़ा हुआ था. उस समय देश का टैक्स कलेक्शन इस स्थिति में था कि सरकारी कर्मचारियों की सैलरी का खर्च भी पूरी तरह से नहीं निकल पाता था. 1980-1990 के दशक में इनकम टैक्स का स्लैब 60 प्रतिशत तक था, और इसके ऊपर 12 प्रतिशत सरचार्ज भी लगता था. इसके अतिरिक्त, कंपल्सरी डिपॉजिट स्कीम के तहत 4 प्रतिशत और पीपीएफ में 15 प्रतिशत राशि डालनी पड़ती थी.

खण्डेलवाल ने कहा कि अमेरिका, जापान और अन्य विकसित देशों की इकोनॉमी में उनका कर्ज उनकी जीडीपी से कहीं अधिक है, लेकिन भारत अपने कर्ज को नियंत्रित करने में सक्षम है. पहले बजट में हम सिर्फ यही चिंता करते थे कि साबुन महंगा हो गया या कपड़े सस्ते हो गए, लेकिन अब नया बजट दुनिया के नक्शे कदम पर आधारित है.

बौद्ध सर्किट के निर्माण से होगा बड़ा बदलाव

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारत के पर्यटन क्षेत्र में बौद्ध सर्किट के निर्माण से बड़ा बदलाव आने वाला है, जो न केवल आंतरिक बल्कि अंतराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा. जापान, बर्मा और अन्य बौद्ध देशों के लोग भारत आना चाहते थे, लेकिन बौद्ध सर्किट के अभाव में उन्हें सुविधाएं नहीं मिल पा रही थीं. अब सरकार ने बौद्ध सर्किट बनाने का निर्णय लिया है, जिससे इन देशों से पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि होगी. इस पहल से भारत को धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन में नया मुकाम मिलेगा. अगर पहले की सरकारों ने इस दिशा में ध्यान दिया होता तो आज हमारा देश आर्थिक और पर्यटन के मामले में कहीं आगे होता. सरकार ने महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है. बजट में महिला हॉस्टल, कौशल विकास कार्यक्रम और स्व- सहायता समूहों के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए गए हैं। इन योजनाओं से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी.

दलहन उत्पादन बढ़ाने विशेषज्ञ करेंगे आज चिंतन

सीहोर में रहेंगे सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 6 फरवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में सीहोर जिले के अमलाहा स्थित खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र में 7 फरवरी को दलहन आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय मिशन के तहत राष्ट्रीय परामर्श एवं रणनीति सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा.

सम्मेलन में उत्पादन एवं उत्पादकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श होगा. दलहन क्षेत्र की मूल संवेदनाओं, वर्तमान चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं पर

विस्तृत चर्चा की जाएगी. देश के प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारीगण, दलहन अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक, सरकारी बीज उत्पादक संस्थाएं, दाल उद्योग से संबंधित प्रतिनिधि एवं अन्य सहयोगी एजेंसियां भाग लेंगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री चौहान द्वारा खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र की अत्याधुनिक सुविधाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा.

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि सम्मेलन में दलहन उत्पादन को सुदृढ़ करने, किसानों की आय बढ़ाने तथा उन्नत तकनीकों के माध्यम से उत्पादकता सुधार पर अपने विचार साझा किये जायेंगे. यह सम्मेलन दलहन क्षेत्र में नीति निर्धारण और अनुसंधान में मील का पत्थर साबित होगा. सम्मेलन का उद्देश्य किसानों तक नवीन शोध, गुणवत्तापूर्ण बीज, आधुनिक खेती पद्धतियों तथा बाज़ार से जुड़ी जानकारी पहुंचाना है, जिससे दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके.

इन राज्यों के कृषि मंत्री होंगे शामिल

राष्ट्रीय सम्मेलन में उड़ीसा से कनकवर्धन सिंह देव, पंजाब से सरदार गुरुमीत सिंह खुडियन, छत्तीसगढ़ से रामविचार नेताम, बिहार से राम कृपाल यादव, गुजरात से रमेशभाई कटारा, उत्तर प्रदेश से सूर्य प्रताप साही, हरियाणा से श्याम सिंह राणा, पश्चिम बंगाल से सोवानदेव चट्टोपाध्याय शामिल होंगे. कार्यक्रम की शुरूआत 7 फरवरी को सुबह 10.45 बजे पौध-रोपण से होगी. केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान कृषि की उन्नत प्रौद्योगिकियों एवं दलहन की नई किस्मों का अवलोकन करेंगे और किसानों से संवाद करेंगे.

पेज एक का शेष

सरकार हर हाल में उद्योगों के साथ

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने टैक्स में कमी की है और अब उद्योग को फिर से आगे बढ़ाना उद्योग जगत की जिम्मेदारी है. उन्होंने आशा जताई कि संख्या फिर से 2300 तक पहुंचेगी. प्रदर्शनी में 200 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भाग ले रही हैं और कई देशों की कंपनियां लाइव डेमो प्रस्तुत कर रही हैं. इसमें दाल, चावल, आटा, मसाले, बेसन, सोया, मक्का, बीज और अन्य फूड प्रोसेसिंग मशीनरी व टर्न-की प्लांट्स का प्रदर्शन हो रहा है, जिससे उद्योग को उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के नए तरीके सीखने का अवसर मिल रहा है.

लाखों गाड़ियां सिंहस्थ में कहां पार्क होंगी, ये संभावनाएं देखी

- कमिश्नर और कलेक्टर पहुंचे शहर के बाहर
- शहर के चारों मार्गों पर बनेगा सैटलाइट टाउन
- सिटी बस और ई रिक्शा ऑटो से श्रद्धालु आएंगे कुंभ में

नवभारत न्यूज

उज्जैन. महाकुंभ की तैयारी जिस बड़े पैमाने पर की जा रही है ऐसे में निर्माण कार्य तो तीव्र गति से चल रहे हैं, वहीं अब दूसरी चिंता सताने लगी है कि लाखों गाड़ियां श्रद्धालुओं की आएंगी तो कहां पर पार्क की जएगी. ऐसे में अफसरों ने शुक्रवार को शहर के बाहरी क्षेत्र में जाकर संभावना तलाशी.सिंहस्थ मेला अधिकारी एवं संभागायुक्त आशीष सिंह ने कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के साथ शुक्रवार दोपहर देवास-बदनावर फोरलेन मार्ग के समीप सिंहस्थ 2028 के लिए प्रस्तावित वाहन पार्किंग स्थलों का निरीक्षण कर उनका चिन्हांकन किया.

पार्किंग की कार्य योजना बनाएं

परीक्षण के दौरान मेला अधिकारी आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि पार्किंग स्थलों की कार्ययोजना इस प्रकार बनाई जाए जिससे मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित न हो. पार्किंग स्थलों को जोड़ने वाले मार्गों पर सुव्यवस्थित वाहन टर्निंग व्यवस्था एवं सर्विस लेन के चौड़ीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए. उन्होंने कहा कि पार्किंग से श्रद्धालुओं का निर्गम इस तरह सुनिश्चित किया जाए कि मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक अवरुद्ध न हो.

पार्किंग में एआई का उपयोग- श्री सिंह ने निर्देश दिए कि पार्किंग व्यवस्था में आधुनिक तकनीक एवं एआई का उपयोग कर श्रद्धालुओं को पार्किंग की रीयल-टाइम जानकारी उपलब्ध कराई जाए. साथ ही पार्किंग स्थलों से घाटों तक श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए लोक परिवहन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.

लेवल 1 और 2

निरीक्षण के दौरान लेवल-01 एवं लेवल-02 पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन कर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए. सिंहस्थ 2028 के दौरान लेवल-01 पार्किंग मेला क्षेत्र में रहेगी, जिसका उपयोग कम भीड़ वाले दिनों में किया जाएगा. वहीं लेवल-02 पार्किंग मेला क्षेत्र से 5 किलोमीटर से अधिक दूरी पर रहेगी, जिसका उपयोग अधिक भीड़ वाले दिनों में किया जाएगा. निरीक्षण के समय यूडीए के सीईओ संदीप सोनी, नायब तहसीलदार आलोक चौरे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

रक्तदान कर अब ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के होंगे वीआईपी दर्शन

- काशी-तिरूपति की तर्ज पर मंदिर क्षेत्र में लगेगी रक्तदान यूनिट
- खंडवा कलेक्टर ने दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

खंडवा. ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं को अब सामाजिक सेवा के साथ धार्मिक आस्था का विशेष अनुभव देने की तैयारी शुरू हो गई है. प्रशासन रक्तदान को प्रोत्साहित करने के लिए नई पहल पर काम कर रहा है, जिसके तहत रक्तदान करने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर में वीआईपी या शीघ्र दर्शन की सुविधा प्रदान की जाएगी. इस संबंध में खंडवा कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासनिक योजना के अनुसार ओंकारेश्वर मंदिर क्षेत्र में रक्तदान यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव है, जहां आने वाले श्रद्धालु स्वेच्छा से रक्तदान कर सकेंगे. यह व्यवस्था काशी विश्वनाथ और तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर विकसित की जा रही है, जहां सामाजिक सेवा को धार्मिक व्यवस्थाओं से जोड़कर सफल मॉडल बनाया गया है. बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्थानीय अस्पतालों और ब्लड बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित रक्तदान व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.

रक्तदात के प्रति लोग होंगे प्रेरित

प्रशासन का मानना है कि इस पहल से जिले में रक्त की उपलब्धता बढ़ेगी और अधिक लोग रक्तदान के लिए प्रेरित होंगे. धार्मिक नगरी ओंकारेश्वर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. ऐसे में रक्तदान जैसी सामाजिक सेवा को जोड़ने से समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी. फिलहाल योजना प्रारंभिक चरण में है और अंतिम प्रक्रिया एवं पात्रता नियम प्रशासन द्वारा जल्द तय किए जाएंगे.

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने पंडित मिश्रा से की भेंट

- जागरूकता फैलाने के लिए समर्थन मांगा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 06 फरवरी. गौमाता की कथित हत्या और अवैध गौमांस तस्करी की लगातार हो रही घटनाओं को लेकर अमित शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से भेंट की.

प्रतिनिधिमंडल ने गौमाता की रक्षा के प्रयासों को सशक्त बनाने और इस विषय पर समाज में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए उनका समर्थन मांगा. मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल महापौर, मेयर-इन-काउंसिल के सदस्यों तथा स्लॉटर संचालन की अनुमति देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई. सदस्यों ने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्काल और सख्त कदम उठाना आवश्यक है. पंडित प्रदीप मिश्रा ने इस अभियान का समर्थन करते हुए आशीर्वाद दिया और समाज से गौमाता की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया. इस अवसर पर सीहोर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव गुजराती भी उपस्थित रहे.

कहर | सत्तर वर्षीय बुजुर्ग ने भी दम तोड़ा, पत्नी की हुई थी एक माह पहले मौत

भागीरथपुरा दूषित पानी हादसे में 33वीं मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर, 6 फरवरी. भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैले संक्रमण के बीच एक और बुजुर्ग की मौत हो गई. अरविंदो अस्पताल में भर्ती 70 वर्षीय अलगूराम यादव के निधन के बाद मौतों का आंकड़ा 33 पहुंच गया. इस मामले में सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने मृतक के पहले से बीमार होने की बात कही है.

भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से फैले संक्रमण का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है. गुरुवार देर रात अरविंदो अस्पताल में इलाज के दौरान 70 वर्षीय अलगूराम यादव की मौत हो गई. उन्हें 9 जनवरी को उल्टी-दस्त और सांस संबंधी तकलीफ के चलते भर्ती कराया था. इस हादसे में अब तक 33 लोगों की जान जा चुकी है. दर्दनाक पहलू यह है कि इसी संकट में अलगूराम यादव की पत्नी उर्मिला यादव की भी एक माह पूर्व मौत हो चुकी है. उर्मिला को भी उल्टी-दस्त के बाद अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया था. एक ही परिवार में दो मौतों ने पूरे मोहल्ले को झकझोर कर रख दिया है. मृतक के बेटे संजय यादव का कहना है कि पिता को पहले से कोई गंभीर बीमारी नहीं थी. दूषित पानी पीने के बाद तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जहां उनकी जान चली गई. वर्तमान में अब भी तीन मरीज अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि अब तक 450 से अधिक मरीज इलाज के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं. ज्ञात हो कि इससे पहले 1 फरवरी को 32 वीं मौत दर्ज हुई थी. 65 वर्षीय अनिता कुशवाह एक महीने से अधिक समय तक बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती रहीं और वेंटिलेटर पर रहने के बाद उनकी भी मौत हो गई थी. परिजनों ने तब भी किसी पुरानी बीमारी से इनकार किया था.

पहले से थे लकवाग्रस्त...

भागीरथपुरा में रहने वाले 70 वर्षीय अलगूराम यादव लंबे समय से अरविंदो अस्पताल में भर्ती थे. वे पहले से लकवा पीड़ित थे, उनकी दाहिनी जांघ की हड्डी में फ्रैक्चर भी था तथा वे अन्य बीमारियों से भी ग्रसित थे.

– मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला इंदौर

अनुसूचित जाति/जनजाति उद्यमियों को अवसर प्रदान करने हेतु

नेशनल एससी-एसटी हब योजना

अक्टूबर 2016 से

एससी-एसटी इकाईयों से सरकारी खरीद 38 गुना बढ़ी

1.5 लाख से अधिक एससी-एसटी उद्यमी लाभान्वित

मुख्य लाभ

- ₹25 लाख तक की सब्सिडी
- निःशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण
- विक्रेता विकास एवं बाजार संपर्क सहायता
- प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन सहयोग

"एम एस एम ई हमारे देश की आर्थिक वृद्धि में परिवर्तनकारी भूमिका निभाते हैं। हम इस क्षेत्र के संरक्षण और सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

— प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अधिक जानकारी के लिए देखें: www.scsthub.in

राष्ट्रीय एससी-एसटी हब फॉलो करने के लिए QR code स्कैन करें

CBC 25106/15/0001/2526

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60